चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18-2-26	04	1-4

• नागालैंड के कृषि मंत्री म्हथुंग यंथन, पदमश्री से सम्मानित बख्शीराम भी पहुंचे

कृषि कॉलेज की एल्युमनाई मीट, 45 साल के बाद यूएसए, यूके, यूएई व कनाडा से एक-दूसरे से मिलने पहुंचे सहपाठी

भास्कर न्यूज़ | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि कॉलेज में स्वर्णिम दोस्ती का एक अद्भुत नजारा देखने को मिला। अवसर था 1977-81 बैच की गोल्डन जुबली-एल्यूमनाई मीट का। करीब 45 साल के बाद जब पुराने साथी एक-दूसरे से मिले तो कैंपस पुरानी यादों और ठहाकों से गूंज उठा। इस एल्यूमनाई मीट में हिस्सा लेने के लिए पूर्व छात्र केवल भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका, कनाडा, यूके और यूएई सहित कई देशों से सपरिवार पहुंचे।

एचएयू की एल्युमनाई मीट में झूमते पूर्व छात्र।

कृषि कॉलेज से पढ़े नागालैंड के कृषि मंत्री म्हथुंग यंथन, पदमश्री से सम्मानित बख्शीराम, नागालैंड की पहली महिला कृषि निदेशक रोंगसेनिनला ऐयर, सरस्वती शुगर मिल्स के सीईओ सुनील कुमार सचदेवा, कृषि कॉलेज के रिटायर्ड डीन एवं डायरेक्टर डॉ. अशोक कुमार छाबड़ा, यूएसए कैलीफोर्निया से नरेश दुग्गल भी पहुंचे। शाम के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया, जिसमें सभी सहपाठी एक दूसरे के साथ मिलकर झूमे और पुराने दिनों को याद किया। एचएयू कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि एल्यूमनाई मीट पुराने साथियों से मिलने का बेहतरीन जरिया है। पूर्व छात्रों के अनुभव विश्वविद्यालय को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेंगे। यह आयोजन आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	18-2-26	04	1-3

पूर्व छात्र समागम पुराने साथियों से मुलाकात का बेहतर प्लेटफार्म : प्रो . बलदेव राज काम्बोज

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों 1977-81 बैंच की ओर से पचास वर्षों की स्वर्णिम दोस्ती पूर्ण होने पर गोल्डन जुबली-एल्यूमनाई मीट् का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व छात्रों द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें पौधारोपण, सांस्कृतिक एवं संवाद कार्यक्रम शामिल रहे। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने भी शिरकत की।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि एल्यूमनाई मीट पुराने साथियों से मुलाकात का बेहतर प्लेटफार्म है। पूर्व विद्यार्थियों के अनुभव और मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। इस आयोजन से न केवल पुराने सम्बन्ध और अधिक प्रगाढ़ होंगे बल्कि भावी पीढ़ी के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत भी बनेंगे। पूर्व छात्रों के एक मंच पर पुनः एकत्रित होने से पुरानी स्मृतियां ताजा हुई। कार्यक्रम में कुलपति ने नरेश दुग्गल, डा. अशोक छाबड़ा व द्वारा लिखी पुस्तक का विमोचन किया।

पुस्तिका का विमोचन करते प्रो . बलदेव राज काम्बोज एवं अन्य • विज्ञप्ति

45 साल बाद साथियों से मिले पूर्व विद्यार्थी

पूर्व छात्रों ने बताया कि वे लगभग 45 वर्षों के बाद अपने साथियों व उनके परिवार के सदस्यों से मिल रहे हैं। कुलपति प्रो . बलदेव राज काम्बोज के साथ बड़े सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई मुलाकात के दौरान सभी पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान हुए अनुभवों को साक्षा किया।

ये भी रहे मौजूद

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नागालैंड के कृषि मंत्री म्हथुंग यंथन, पद्म श्री बख्शी राम, कृषि निदेशक के रूप में नियुक्त नागालैंड की पहली महिला, रोंगसेनिनला ऐयर, सुनील कुमार सचदेवा, चीफ एग्जीक्यूटिव आफिसर सरस्वती शुगर मिल्स, यमुनानगर, अशोक कुमार छाबड़ा, रिटायर्ड डीन कालेज आफ एग्रीकल्चर आदि थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	18.2.26	04	1-6

बीते पलों की यादें हुईं जवां, गले मिल खूब खिलखिलाए

मिलन समारोह : एचएयू में कृषि महाविद्यालय के 1977-81 बैच के पूर्व विद्यार्थियों ने 50 वर्ष पूरा होने पर मनाई गोल्डन जुबली

माई सिटी रिपोर्टर

एचएयू के कृषि महाविद्यालय में आयोजित पूर्व छात्र मिलन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम में थिरकते पूर्व छात्र। स्रोत : संस्थान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के 1977-81 बैच के पूर्व विद्यार्थियों ने 50 वर्षों की स्वर्णिम दोस्ती पूर्ण होने पर मंगलवार को गोल्डन जुबली- पुरातन छात्र मिलन (एल्युमनाई मीट) का आयोजन किया। पूर्व छात्रों ने इस मौके पर पौधरोपण, सांस्कृतिक एवं संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया। पुराने दोस्त मिले तो एक दूसरे से गले मिलकर खूब खिलखिलाए। अपनी कक्षाओं में बैठ कर एक बार से छात्र जीवन के बेशकीमती लम्हों को याद किया।

एल्युमनाई को विश्वविद्यालय की ओर से पिछले 50 वर्षों के दौरान अर्जित की गई उपलब्धियों, शोध कार्यों तथा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी भी दी गई। कुलपति ने प्रो. बीआर कांबोज ने एक स्मारक पुस्तिका का भी विमोचन किया। यह पुस्तक नरेश दुग्गल, डॉ. अशोक छाबड़ा ने लिखी है।

पुस्तक में सभी पूर्व छात्रों की उपलब्धियां, अनुभव और संस्मरणों को संकलित करते हुए उनकी स्वर्णिम यात्रा का जीवंत दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

सभी पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान हुए अनुभवों को साझा किया। इस दौरान रामफल चहल की हरियाणवी संस्कृति पर लिखी पुस्तिका का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में नागालैंड के कृषि मंत्री म्हथुंग यंथन, पद्मश्री बख्शी राम, कृषि निदेशक के रूप में नियुक्त नागालैंड की पहली महिला रोंगसेनिनला ऐयर, सरस्वती शुगर मिल्स यमुनानगर के सीईओ सुनील कुमार सचदेवा, रिटायर्ड डीन कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर अशोक कुमार छाबड़ा, रिटायर्ड डायरेक्टर शुगर केन ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट कोयंबटूर तमिलनाडु नरेश दुग्गल, रिटायर्ड काउंटी मैनेजर इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट काउंटी ऑफ सांता क्लारा कैलिफोर्निया,यूएसए सहित अन्य पूर्व छात्र शामिल हुए।

दूसरे देशों से भी आए पूर्व छात्र : पुरातन छात्र अपने परिवार सहित इस ऐतिहासिक मिलन समारोह में भाग लेने के लिए विश्व के विभिन्न देशों अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा तथा संयुक्त अरब अमीरात से पहुंचे हैं।

पूर्व छात्र शिक्षा, प्रशासन और उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर कार्य कर चुके हैं। कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्र अपने शिक्षकों से मिले और विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया। पूर्व छात्रों ने बताया कि वे लगभग 45 वर्षों के बाद अपने साथियों व उनके परिवार के सदस्यों से मिल रहे हैं।

एल्युमनाई मीट में पहुंचे नागालैंड के कृषि मंत्री म्हथुंग यंथन

नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि एल्युमनाई मीट पुराने साथियों से मुलाकात का बेहतर प्लेटफार्म है। पूर्व विद्यार्थियों के अनुभव और मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	18-2-26	12	2-6

हकृवि में पूर्व विद्यार्थियों के लिए गोल्डन जुबली एलुमनाई मीट का आयोजन

पुराने साथियों से मुलाकात का बेहतरीन मंच है एलुमनाई मीट

एलुमनाई मीट में नागालैंड के कृषि मंत्री भी हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों 1977-81 बैच द्वारा पचास वर्षों की स्वर्णिम दोस्ती पूर्ण होने पर गोल्डन जुबली-एलुमनाई मीट का आयोजन किया गया।

इस दौरान पूर्व छात्रों द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें पौधारोपण, सांस्कृतिक एवं संवाद कार्यक्रम शामिल रहे। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने भी शिरकत की। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि एलुमनाई मीट पुराने साथियों से मुलाकात का बेहतर प्लेटफार्म है। पूर्व विद्यार्थियों के अनुभव और मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी।

हिसार। सांस्कृतिक कार्यक्रम के भाग लेते पूर्व छात्र। फोटो : हरिभूमि

पुरानी स्मृतियां हुईं ताजा

पूर्व छात्रों के एक मंच पर पुनः एकत्रित होने से पुरानी स्मृतियां ताजा हुई। कार्यक्रम के माध्यम से एलुमनाई को विश्वविद्यालय द्वारा गत 50 वर्षों के दौरान अर्जित की गई उपलब्धियों, शोध कार्यों तथा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में कुलपति ने एक स्मारक पुस्तिका का भी विमोचन किया। यह पुस्तक नरेश दुग्गल, डॉ. अशोक छाबड़ा व द्वारा लिखी गई है। पुस्तक में सभी पूर्व छात्रों की उपलब्धियां, अनुभव और संस्मरणों को संकलित करते हुए उनकी स्वर्णिम यात्रा का जीवंत दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम में रामफल चहल द्वारा हरियाणवी संस्कृति पर लिखी पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।

यहे रहे उपस्थित

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नागालैंड के कृषि मंत्री म्हथुंग यंथन, पद्म श्री बख्शी राम, कृषि निदेशक के रूप में नियुक्त नागालैंड की पहली महिला, रोंगसेनिनला ऐयर, सुनील कुमार सचदेवा, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, सरस्वती शुगर मिल्स, यमुनानगर, अशोक कुमार छाबड़ा, रिटायर्ड डीन कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, रिटायर्ड डायरेक्टर शुगरकेन ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट, कोयंबटूर, तमिलनाडु, नरेश दुग्गल, रिटायर्ड काउंटी मैनेजर इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट, काउंटी ऑफ सांता क्लारा, कैलिफोर्निया, यूएसए उपस्थित रहे।

विदेशों से भी पहुंचे पूर्व छात्र

गौरतलब है कि उपरोक्त बैच में छात्र अपने परिवार सहित इस ऐतिहासिक मिलन समारोह में भाग लेने के लिए विश्व के विभिन्न देशों अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा तथा संयुक्त अरब अमीरात से पहुंचे हैं। पूर्व छात्र शिक्षा, प्रशासन और उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर कार्य कर चुके हैं। कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्र अपने शिक्षकों से मिले, विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया तथा विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ बड़े सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई मुलाकात के दौरान सभी पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान हुए अनुभवों को सांझा किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	18-2-26	09	6-8

हकृवि एल्यूमनाई मीट में नागालैंड के कृषि मंत्री भी हुए शामिल

हिसार, 17 फरवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों 1977-81 बैच द्वारा पचास वर्षों की स्वर्णिम दोस्ती पूर्ण होने पर गोल्डन जुबली-एल्यूमनाई मीट का आयोजन किया गया।

इस दौरान पूर्व छात्रों द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें पौधारोपण, सांस्कृतिक एवं संवाद कार्यक्रम शामिल रहे। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने भी शिरकत की।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि एल्यूमनाई मीट पुराने साथियों से मुलाकात का बेहतर प्लेटफार्म है। पूर्व विद्यार्थियों के अनुभव और मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन से न केवल पुराने संबंध और अधिक प्रगाढ़ होंगे बल्कि भावी पीढ़ी के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत भी बनेंगे।

पूर्व छात्रों के एक मंच पर पुनः एकत्रित होने से पुरानी स्मृतियां ताजा हुईं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नागालैंड के कृषि मंत्री म्हथुंग यंथन,

हिसार में एल्यूमनाई मीट के दौरान पौधारोपण करते कुलपति एवं अन्य। -हप्र

पद्म श्री बख्शी राम, कृषि निदेशक के रूप में नियुक्त नागालैंड की पहली महिला, रोंगसेनिनला ऐयर, सुनील कुमार सचदेवा, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, सरस्वती शुगर मिल्स, यमुनानगर, अशोक कुमार छाबड़ा, रिटायर्ड डीन कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, रिटायर्ड डायरेक्टर शुगरकेन ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट, कोयंबटूर, तमिलनाडु, नरेश दुग्गल, रिटायर्ड काउंटी मैनेजर इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट, काउंटी ऑफ सांता क्लारा, कैलिफोर्निया, यूएसए उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुलपति ने एक स्मारक पुस्तिका का भी विमोचन किया। यह पुस्तक नरेश दुग्गल, डॉ. अशोक छाबड़ा व द्वारा लिखी गई है। पुस्तक में सभी पूर्व छात्रों की उपलब्धियां, अनुभव और संस्मरणों को संकलित करते हुए उनकी स्वर्णिम यात्रा का जीवंत दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम में रामफल चहल द्वारा हरियाणवी संस्कृति पर लिखी पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।

पुरानी स्मृतियां हुईं ताजा

गौरतलब है कि उपरोक्त बैच में छात्र अपने परिवार सहित इस ऐतिहासिक मिलन समारोह में भाग लेने के लिए विश्व के विभिन्न देशों अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा तथा संयुक्त अरब अमीरात से पहुंचे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18-2-26	09	5-8

एल्यूमनाई मीट पुराने साथियों से मुलाकात का बेहतर प्लेटफार्म : प्रो. काम्बोज

हकृवि में पूर्व विद्यार्थियों के लिए गोल्डन जुबली-एल्यूमनाई मीट आयोजित, नागालैंड के कृषि मंत्री भी हुए शामिल

सांस्कृतिक कार्यक्रम के भाग लेते पूर्व छात्र।

हिसार, 17 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों 1977-81 बैच द्वारा पचास वर्षों की स्वर्णिम दोस्ती पूर्ण होने पर गोल्डन जुबली-एल्यूमनाई मीट का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व छात्रों द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें पौधारोपण, सांस्कृतिक एवं संवाद कार्यक्रम शामिल रहे। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने भी शिरकत की। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि एल्यूमनाई मीट पूराने साथियों से मुलाकात का बेहतर प्लेटफार्म है। पूर्व विद्यार्थियों के अनुभव और मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन से न केवल पुराने सम्बन्ध और अधिक प्रगाढ़ होंगे बल्कि भावी पीढ़ी के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत भी बनेंगे। पूर्व छात्रों के एक मंच पर पुनः एकत्रित होने से पुरानी स्मृतियां ताजा हुई। कार्यक्रम के माध्यम से एल्यूमनाई को विश्वविद्यालय द्वारा गत 50 वर्षों के दौरान अर्जित की गई उपलब्धियों, शोध कार्यों तथा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में कुलपति ने एक स्मारक पुस्तिका का भी विमोचन किया। पूर्व छात्र शिक्षा, प्रशासन और उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर कार्य कर चुके हैं। कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्र अपने शिक्षकों से मिले, विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया तथा विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। पूर्व छात्रों ने बताया कि वे लगभग 45 वर्षों के बाद अपने साथियों व उनके परिवार के सदस्यों से मिल रहे हैं। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ बड़े सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई मुलाकात के दौरान सभी पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान हुए अनुभवों को सांझा किया। पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना की प्रशंसा करते हुए कहा कि पहले के मुकाबले काफी बदलाव हुए हैं। पूर्व छात्रों ने एचएयू के कृषि पर्यटन, संग्रहालय, एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर सहित अन्य स्थलों का दौरा कर महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नागालैंड के कृषि मंत्री म्हथुंग यंथन, पद्म श्री बख्शी राम, कृषि निदेशक के रूप में नियुक्त नागालैंड की पहली महिला, रोंगसेनिनला ऐयर, सुनील कुमार सचदेवा, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, सरस्वती शुगर मिल्स, यमुनानगर, अशोक कुमार छाबड़ा, रिटायर्ड डीन कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, रिटायर्ड डायरेक्टर शुगरकेन ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट, कोयंबटूर, तमिलनाडु, नरेश दुग्गल, रिटायर्ड काउंटी मैनेजर इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट, काउंटी ऑफ सांता क्लारा, कैलिफोर्निया, यूएसए उपस्थित रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	17.02.2026	--	--

हकृवि में पूर्व विद्यार्थियों के लिए गोल्डन जुबली-एल्यूमनाई मीट का हुआ आयोजन

एल्यूमनाई मीट में नागालैंड के कृषि मंत्री भी हुए शामिल

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों 1977-81 बैच द्वारा पचास वर्षों की स्वर्णिम दोस्ती पूर्ण होने पर गोल्डन जुबली-एल्यूमनाई मीट का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व छात्रों द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने भी शिरकत की।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि एल्यूमनाई मीट पुराने साथियों से मुलाकात का बेहतर प्लेटफार्म है। पूर्व विद्यार्थियों के अनुभव और मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन से न केवल पुराने सम्बन्ध और अधिक प्रगाढ़ होंगे बल्कि भावी पीढ़ी के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत भी बनेंगे। पूर्व छात्रों के एक मंच पर पुनः एकत्रित होने से पुरानी स्मृतियां ताजा हुई। कार्यक्रम के माध्यम से एल्यूमनाई को विश्वविद्यालय द्वारा गत 50 वर्षों के दौरान अर्जित की गई उपलब्धियों, शोध कार्यों तथा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में कुलपति ने एक स्मारक पुस्तिका का भी विमोचन किया। यह पुस्तक नरेश टुग्गल, डॉ. अशोक छाबड़ा व द्वारा लिखी गई है। कार्यक्रम में रामफल चहल द्वारा हरियाणवी संस्कृति पर लिखी पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।

गौरतलब है कि उपरोक्त बैच में छात्र अपने परिवार सहित इस ऐतिहासिक मिलन समारोह में भाग लेने के लिए विश्व के विभिन्न देशों अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा तथा संयुक्त अरब अमीरात से पहुंचे हैं। पूर्व छात्र शिक्षा, प्रशासन और उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर कार्य कर चुके हैं।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्र अपने शिक्षकों से मिले, विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया तथा विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नागालैंड के कृषि मंत्री म्हथुंग यंथन, पद्मश्री बख्शी राम, कृषि निदेशक के रूप में नियुक्त नागालैंड की पहली महिला, रोंगसेनिनला ऐयर, सुनील कुमार सचदेवा, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, सरस्वती शुगर मिल्स, यमुनानगर उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	17.02.2026	--	--

एल्यूमनाई मीट पुराने साथियों से मुलाकात का बेहतर प्लेटफार्म : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों 1977-81 बैच द्वारा पचास वर्षों की स्वर्णिम दोस्ती पूर्ण होने पर गोल्डन जुबली-एल्युमनाई मीट का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व छात्रों द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें पौधारोपण, सांस्कृतिक एवं संवाद कार्यक्रम शामिल रहे। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने भी शिरकत की।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि एल्युमनाई मीट पुराने साथियों से मुलाकात का बेहतर प्लेटफार्म है। पूर्व विद्यार्थियों के अनुभव और मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन से न केवल पुराने सम्बन्ध और अधिक प्रगाढ़ होंगे बल्कि भावी पीढ़ी के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत भी बनेंगे। पूर्व छात्रों के एक मंच पर पुनः एकत्रित होने से पुरानी स्मृतियां ताजा हुईं। कार्यक्रम के माध्यम से एल्युमनाई को विश्वविद्यालय द्वारा गत 50 वर्षों के दौरान अर्जित की गई उपलब्धियों, शोध कार्यों तथा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में कुलपति ने एक स्मारक पुस्तिका का भी विमोचन किया। यह पुस्तक नरेश दुग्गल, डॉ. अशोक छाबड़ा व द्वारा लिखी गई है। पुस्तक में सभी पूर्व छात्रों की उपलब्धियां, अनुभव और संस्मरणों को संकलित करते हुए उनकी स्वर्णिम यात्रा का जीवंत दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम में रामफल चहल द्वारा हरियाणवी संस्कृति पर लिखी पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।

गौरतलब है कि उपरोक्त बैच में छात्र अपने परिवार सहित इस ऐतिहासिक मिलन समारोह में भाग लेने के लिए विश्व के विभिन्न देशों अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा तथा संयुक्त अरब अमीरात से पहुंचे हैं। पूर्व छात्र शिक्षा, प्रशासन और उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर कार्य कर चुके हैं। कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्र अपने शिक्षकों से मिले, विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया तथा विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। पूर्व छात्रों ने बताया कि वे लगभग 45 वर्षों के बाद अपने साथियों व उनके परिवार के सदस्यों से मिल रहे हैं। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ बड़े सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई मुलाकात के दौरान सभी पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान हुए अनुभवों को सांझा किया।

पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना की प्रशंसा करते हुए कहा कि पहले के मुकाबले काफी बदलाव हुए हैं। पूर्व छात्रों ने एचएयू के कृषि पर्यटन, संग्रहालय, एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर सहित अन्य स्थलों का दौरा कर महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नागालैंड के कृषि मंत्री महबुंग यंथन, पद्म श्री बख्शी राम, कृषि निदेशक के रूप में नियुक्त नागालैंड की पहली महिला, रोंग्सेनिला ऐयर, सुनील कुमार सचदेवा, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, सरस्वती शुगर मिल्स, यमुनानगर, अशोक कुमार छाबड़ा, रिटायर्ड डीन कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, रिटायर्ड डायरेक्टर शुगरकेन ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट, कोयंबटूर, तमिलनाडु, नरेश दुग्गल, रिटायर्ड काउंटी मैनेजर इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट, काउंटी ऑफ सांता क्लारा, कैलिफोर्निया, यूएसए उपस्थित रहे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	17.02.2026	--	--

एल्यूमनाई मीट पुराने साथियों से मुलाकात का बेहतर प्लेटफार्म: प्रो. बलदेव राज काम्बोज

» हकृवि में पूर्व विद्यार्थियों के लिए गोल्डन जुबली-एल्यूमनाई मीट का हुआ आयोजन

» एल्यूमनाई मीट में नागालैंड के कृषि मंत्री भी हुए शामिल

दक्ष दर्पण

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों 1977-81 बैच द्वारा पचास वर्षों की स्वर्णिम टोल्ली पूर्ण होने पर गोल्डन जुबली-एल्यूमनाई मीट का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व छात्रों द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें पौधारोपण, सांस्कृतिक एवं संवाद कार्यक्रम शामिल रहे। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने भी शिरकत की। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि एल्यूमनाई मीट पुराने साथियों से मुलाकात का बेहतर प्लेटफार्म है। पूर्व विद्यार्थियों के अनुभव और मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन से न केवल पुराने सम्बन्ध और अधिक प्रगाढ़ होंगे बल्कि भावी पीढ़ी के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत भी बनेंगे। पूर्व छात्रों के एक मंच पर पुनः एकत्रित होने से पुरानी स्मृतियां ताजा हुईं। कार्यक्रम के माध्यम से एल्यूमनाई को विश्वविद्यालय द्वारा गत 50 वर्षों के दौरान अर्जित की गई उपलब्धियों, शोध कार्यों तथा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में कुलपति ने एक स्मारक पुस्तिका का भी विमोचन किया। यह पुस्तक नरेश दुग्गल, डॉ. अशोक छाबड़ा व द्वारा लिखी गई है। पुस्तक में सभी पूर्व छात्रों की उपलब्धियां, अनुभव और संस्मरणों को संकलित करते हुए उनकी स्वर्णिम यात्रा का जीवंत दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम में रामफल चहल द्वारा हरियाणवी संस्कृति पर लिखी पुस्तिका का भी विमोचन किया गया। गौरतलब है कि उपरोक्त बैच में छात्र अपने परिवार सहित इस ऐतिहासिक मिलन समारोह में भाग लेने के लिए विश्व के विभिन्न देशों अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा तथा संयुक्त अरब अमीरात से पहुंचे हैं। पूर्व छात्र शिक्षा, प्रशासन और उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर कार्य कर चुके हैं। कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्र अपने शिक्षकों से मिले, विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया तथा विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। पूर्व छात्रों ने बताया कि वे लगभग 45 वर्षों के बाद अपने साथियों व उनके परिवार के सदस्यों से मिल रहे हैं। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ बड़े सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई मुलाकात के दौरान सभी पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान हुए अनुभवों को सांझा किया। पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना की प्रशंसा करते हुए कहा कि पहले के मुकाबले काफी बदलाव हुए हैं। पूर्व छात्रों ने एचएयू के कृषि पर्यटन, संग्रहालय, एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर सहित अन्य स्थलों का दौरा कर महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नागालैंड के कृषि मंत्री महतुंग यंथन, पद्म श्री कमाडो राम, कृषि निदेशक के रूप में नियुक्त नागालैंड की पहली महिला, रीतलेनिकला ऐयर, सुनील कुमार सचदेवा, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, सरस्वती शुगर मिल्स, यमुनानगर, अशोक कुमार छाबड़ा, रिटायर्ड डीन कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, रिटायर्ड डायरेक्टर शुगरकेन ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट, कोयम्बटूर, तमिलनाडु, नरेश दुग्गल, रिटायर्ड काउंटी मैनेजर इंटीग्रेटिड पेस्ट मैनेजमेंट, काउंटी ऑफ सांता क्लारा, कैलिफोर्निया, यूएसए उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	18-2-26	04	2-5

हकृवि में दो दिवसीय एक्वा युवा कार्यक्रम शुरू

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम-एक्वा युवा का दो दिवसीय आयोजन शुरू हुआ। राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के शोधार्थी भाग ले रहे हैं।

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजेश गेरा ने बताया कि एक्वा युवा का उद्देश्य युवाओं को मत्स्य एवं जलीय कृषि क्षेत्र में स्व-रोजगार और उद्यमिता के लिए प्रेरित करना है। उद्यमिता की मजबूत नींव तैयार करने के लिए चार महत्वपूर्ण तकनीकी व्याख्यान आयोजित किए गए। प्रथम सत्र भारतीय मत्स्य क्षेत्र का अवलोकन एवं उद्यमिता के अवसर विषय पर डा. अनुपम आनंद सहायक प्राध्यापक मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की ओर से किया गया। जिसमें उन्होंने मत्स्य क्षेत्र की वृद्धि एवं संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए युवाओं को जलीय कृषि, हैचरी विकास, मत्स्य आहार निर्माण, सजावटी मत्स्य पालन, मूल्य संवर्धन एवं विपणन जैसी क्षेत्रों में उद्यमिता की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। द्वितीय सत्र उद्यमशीलता कौशल एवं जोखिम प्रबंधन विषय पर सतीश रोहिल्ला औद्योगिक विस्तार अधिकारी, एमएसएमई हिसार द्वारा दिया गया, जिसमें विद्यार्थियों को उद्यमिता के लिए आवश्यक गुणों, तथा जोखिम प्रबंधन के बारे में बताया।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी एवं प्रतिभागी • विज्ञप्ति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18-2-26	09	1-4

हकृवि में एक्वा उद्यम 2026 की निरंतरता में एक्वा युवा कार्यक्रम आरम्भ

हिसार, 17 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम-एक्वा युवा का दो दिवसीय आयोजन शुरू हुआ। राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के शोधार्थी भाग ले रहे हैं। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि एक्वा युवा का उद्देश्य युवाओं को मत्स्य एवं जलीय कृषि क्षेत्र में स्व-रोजगार और उद्यमिता के लिए प्रेरित करना है। उद्यमिता की मजबूत नींव तैयार करने के लिए चार महत्वपूर्ण तकनीकी व्याख्यान आयोजित किए गए। प्रथम सत्र भारतीय मत्स्य क्षेत्र का अवलोकन एवं उद्यमिता के अवसर विषय पर डॉ. अनुपम आनंद सहायक प्राध्यापक मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा दिया गया। जिसमें उन्होंने मत्स्य क्षेत्र की वृद्धि एवं संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए युवाओं को जलीय कृषि, हैचरी विकास, मत्स्य आहार निर्माण, सजावटी मत्स्य पालन, मूल्य संवर्धन एवं विपणन जैसी क्षेत्रों में उद्यमिता की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। द्वितीय सत्र उद्यमशीलता कौशल एवं जोखिम प्रबंधन विषय पर सतीश रोहिल्ला औद्योगिक विस्तार अधिकारी, एमएसएमई हिसार द्वारा दिया गया, जिसमें विद्यार्थियों को उद्यमिता के लिए आवश्यक गुणों, व्यवसाय योजना, निर्णय लेने की क्षमता तथा उद्यम विकास में जोखिम प्रबंधन के बारे में बताया। चतुर्थ सत्र वर्ल्ड कैफे गतिविधि विषय पर डॉ निवेधा सी. के. इनोवेशन रिसर्च फेलो मैनेज फिशहब द्वारा दिया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने नवीन विचार साझा किए तथा मत्स्य मूल्य श्रृंखला में उद्यमिता की संभावनाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा सभी सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहे। कार्यक्रम में डॉ. रचना गुलाटी भी उपस्थित रही।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारी व प्रतिभागी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	18-2-26	02	7-8

युवाओं के हाथों में उद्यमिता की पतवार

एचएयू में उपस्थित अधिकारी और प्रतिभागी। स्रोत : आयोजक

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक्वा उद्यम 2026 की निरंतरता में दो दिवसीय मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम (एक्वा युवा) का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने कहा कि मत्स्य एवं जलीय कृषि क्षेत्र में स्व-रोजगार व उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं और युवाओं को इस दिशा में आगे आना चाहिए। राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में स्नातक, स्नातकोत्तर व पीएचडी शोधार्थी भाग ले रहे हैं। सहायक प्राध्यापक डॉ. अनुपम आनंद ने मत्स्य क्षेत्र में वृद्धि, जलीय कृषि, हैचरी विकास, मत्स्य आहार निर्माण, सजावटी मत्स्य पालन व विपणन में उद्यमिता के अवसरों पर प्रकाश डाला। सतीश रोहिल्ला ने व्यवसाय योजना, निर्णय क्षमता व जोखिम प्रबंधन की जानकारी दी। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	17.02.2026	--	--

हकृवि में एक्वा उद्यम 2026 की निरंतरता में दो दिवसीय एक्वा युवा कार्यक्रम शुरू

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी एवं प्रतिभागी

हिसार 17 फरवरी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम-एक्वा युवा का दो दिवसीय आयोजन शुरू हुआ। राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के शोधार्थी भाग ले रहे हैं।

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि एक्वा युवा का उद्देश्य युवाओं को मत्स्य एवं जलीय कृषि क्षेत्र में स्व-रोजगार और उद्यमिता के लिए प्रेरित करना है। उद्यमिता की मजबूत नींव तैयार करने के लिए चार महत्वपूर्ण तकनीकी व्याख्यान आयोजित किए गए। प्रथम सत्र भारतीय मत्स्य क्षेत्र का अवलोकन एवं उद्यमिता के अवसर विषय पर डॉ. अनुपम आनंद सहायक प्राध्यापक मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा दिया गया। जिसमें उन्होंने मत्स्य क्षेत्र की वृद्धि एवं संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए युवाओं को जलीय कृषि, हैचरी विकास, मत्स्य आहार निर्माण, सजावटी मत्स्य पालन, मूल्य संवर्धन एवं विपणन जैसी क्षेत्रों में उद्यमिता की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। द्वितीय सत्र उद्यमशीलता कौशल एवं जोखिम प्रबंधन विषय पर सतीश रोहिल्ला औद्योगिक विस्तार अधिकारी, एमएसएमई हिसार द्वारा दिया गया, जिसमें विद्यार्थियों को उद्यमिता के लिए आवश्यक गुणों, व्यवसाय योजना, निर्णय लेने की क्षमता तथा उद्यम विकास में जोखिम प्रबंधन के बारे में बताया।

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार बिश्नोई ने बताया कि तृतीय सत्र बिजनेस मॉडल कैनवास एवं बिजनेस प्लान तैयार करना- विषय पर अंकित अग्रवाल संस्थापक होलिक एफ एंड बी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दिया गया जिसमें उन्होंने व्यवसाय मॉडल विकसित करने, ग्राहकों की आवश्यकताओं की पहचान, लागत का आकलन, आय योजना तथा मत्स्य आधारित स्टार्टअप के लिए व्यावहारिक बिजनेस प्लान तैयार करने की प्रक्रिया को सरल रूप से समझाया। चतुर्थ सत्र कार्ड कैफे गतिविधि विषय पर डॉ निरेश सी. के. इनोवेशन रिसर्च फेलो मैनेज हैदराबाद द्वारा दिया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने नवीन विचार साझा किए तथा मत्स्य मूल्य श्रृंखला में उद्यमिता की संभावनाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा सभी सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहे।